Close **Participants (7)**

Waiting(1)

S Sanju Joining...

Participants(6)

P Dr.Harkesh Rathi (me, host)

T Tanya👑👑

(+ (Deepika +1499)

A Annu

D Deepanshu Deshwal

NB Nisha Bhardwaj

Invite Mute All Unmute All

59% 1:45 p.m.

D

Deepanshu Deshwal

(Deepika +1499)

Tanya👑👑

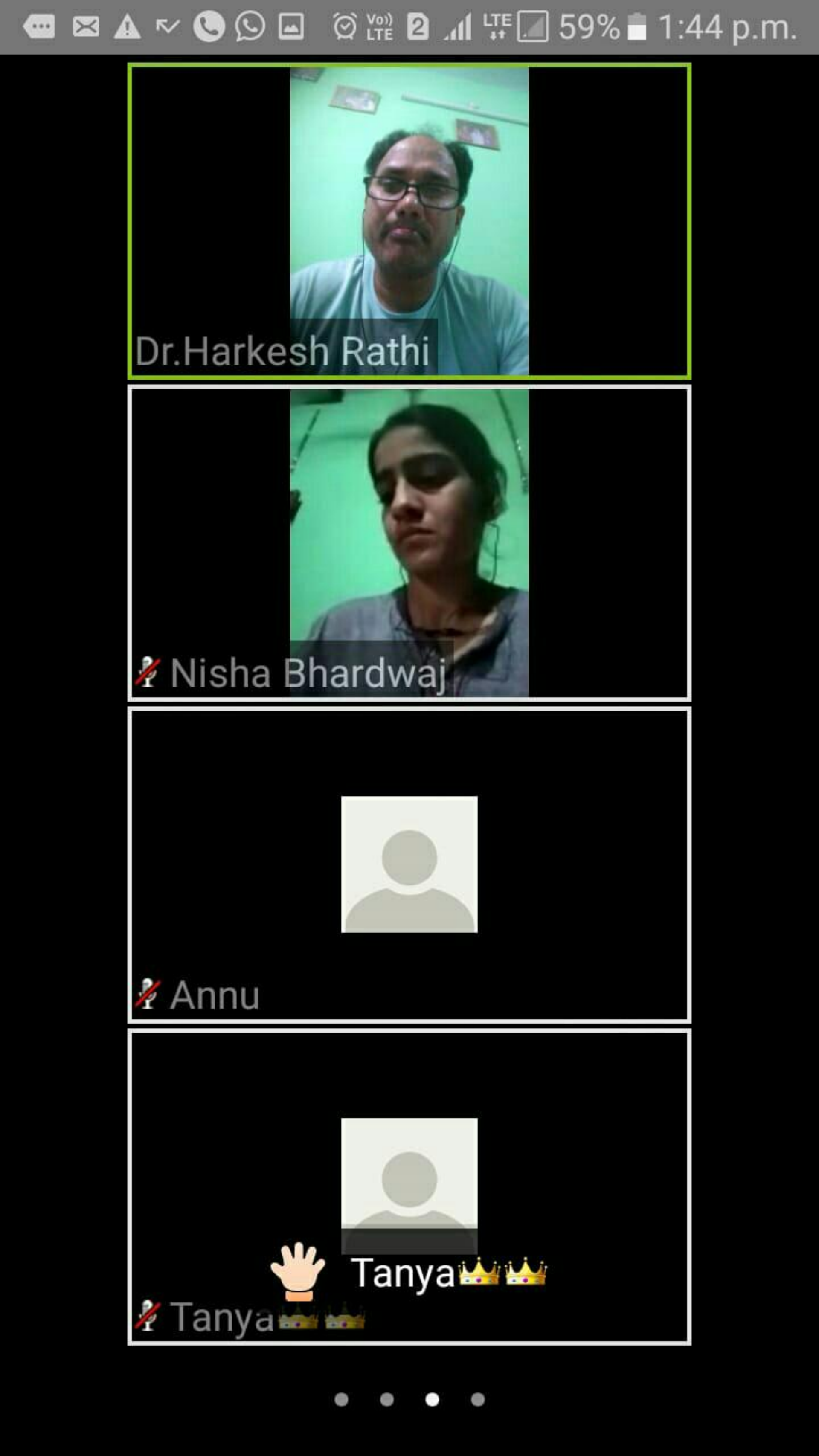

59% 1:44 p.m.
Dr.Harkesh Rathi
Nisha Bhardwaj
Annu
Tanya
Tanya

Expt. No. .... 26/3/2020 Date ....

Page No. 22/4/20 (3)

प्रदर्शित करने का एक अन्य महत्वपूर्ण ढंग जानीत बे रहा है। अंतः कह सकते हैं कि सामान्य लेखन की अपेक्षा रचनात्मक लेखन का ढंग अभिव्यक्ति की दुनिया में एक विशेष प्रकार का ढंग है जो अपनी रचनात्मक क्षमताओं के आधार पर अपने पाठकों का ध्यान आकर्षित करता है।

~~श्रवण-वाचन~~

बोलना :→ सम्प्रेषण का सबसे प्रभावशाली साधन है बोलना (भाषण) कौशल या बोलने की कला से तात्पर्य है कि बोलने का कौशल। भाषण कौशल को अत्यंत महत्वपूर्ण कौशल माना जाता है इससे मनुष्य के भावों और विचारों का सहज प्रकटीकरण तो संभव होता ही है अन्य भाषाई कौशलों के विकास में भी सहजता मिलती है। अतः बोलना भाषायी दक्षता में महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है।

बोलने की दक्षता का तात्पर्य है विद्यार्थी में ऐसी क्षमता उत्पन्न करना की वह अपने भावों व विचारों को सहज स्पष्ट और प्रभावशाली रूप में इस प्रकार व्यक्त करे कि श्रोता उसे यथाकथ्य (जैसे का वैसे) रूप में ग्रहण कर प्रभावित हो सके। मातृभाषा भाषी में बोलने की दक्षता स्वयं ही आ जाती है परंतु अन्य भाषा-भाषी को इसे प्रयास से सिखना पड़ता है। इसके लिए अध्यापक को विशेष रूप से पाठक का निर्माण करना पड़ता है।

Teacher's Signature : ....

26/03/2020, (भाषायी दक्षता)
[सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन]

17/04/2020

लिखने-पढ़ने की सामान्य समझ रखने वाले साधारण लोगों द्वारा जो कुछ भी किसी भी विषय पर आधारित उद्देश्य रहित या उद्देश्य पूर्ण लेखन किसी भी भाषा में किया जाता है, जैसे कि पत्र लिखना, सामान्य विचारों का लेखन, डायरी लिखना, परस्पर व्यवहार हेतु पत्र आदि लिखना। कहीं पर कुछ लिखी हुई सामग्री को देखकर फिर से लिखना। अपना मत, सलाह, आदि लिखना सामान्य लेखन कहलाता है।

ठीक इसके विपरीत किसी लेखक द्वारा अपने रचनात्मक कौशल का प्रयोग करके कोई कहानी, लेख, कविता, उपन्यास, नाटक, एकांकी, संस्मरण आदि किसी सामाजिक या आत्मसुख के उद्देश्य की पूर्ति के लिए लिखा गया लेखन रचनात्मक लेखन कहलाता है। इस प्रकार के लेखन का उद्देश्य पाठकों को कोई विशेष संदेश देना होता है।

- विभिन्न भाषाओं में जो भी रचनात्मक लेखन है वह इसी प्रकार का है। विभिन्न साहित्यकारों द्वारा समय-2 पर अपनी रचनात्मकता के साथ कुछ न कुछ लिखा जाता रहा है और लिखा जाता है। मीडिया में आई हुई तकनीकी क्रांति के चलते मीडिया के क्षेत्र में भी रचनात्मक लेखन खूब हो रहा है। विज्ञापन लेखन, धारावाहिक लेखन, स्लोगन लेखन, फिल्म लेखन, समाचार लेखन, आदि भी रचनात्मक लेखन के अंतर्गत आते हैं।
- इंटरनेट के बढ़ते हुए प्रयोग के फलस्वरूप ब्लॉग लेखन, फेसबुक लेखन, whatsapp संदेश लेखन और ट्वीट लेखन भी आज-कल अपनी रचनात्मकता को